फ्लॉयड,
एक बिल्ली की कहानी

पीटर स्टर्न

फ्लॉयड,
एक बिल्ली की कहानी

पीटर स्टर्न

एक बार फ्लॉयड नाम की एक मोटी बिल्ली थी.

वो मिस्टर और मिसेज ब्लुट के साथ
एक बड़े सफेद घर में रहती थी.

ब्लुट दंपत्ति फ़्लॉइड से प्यार करते थे और वे उसे वो
सब कुछ देते थे जो कोई बिल्ली कभी चाह सकती थी.

बढ़िया रात्रिभोज.
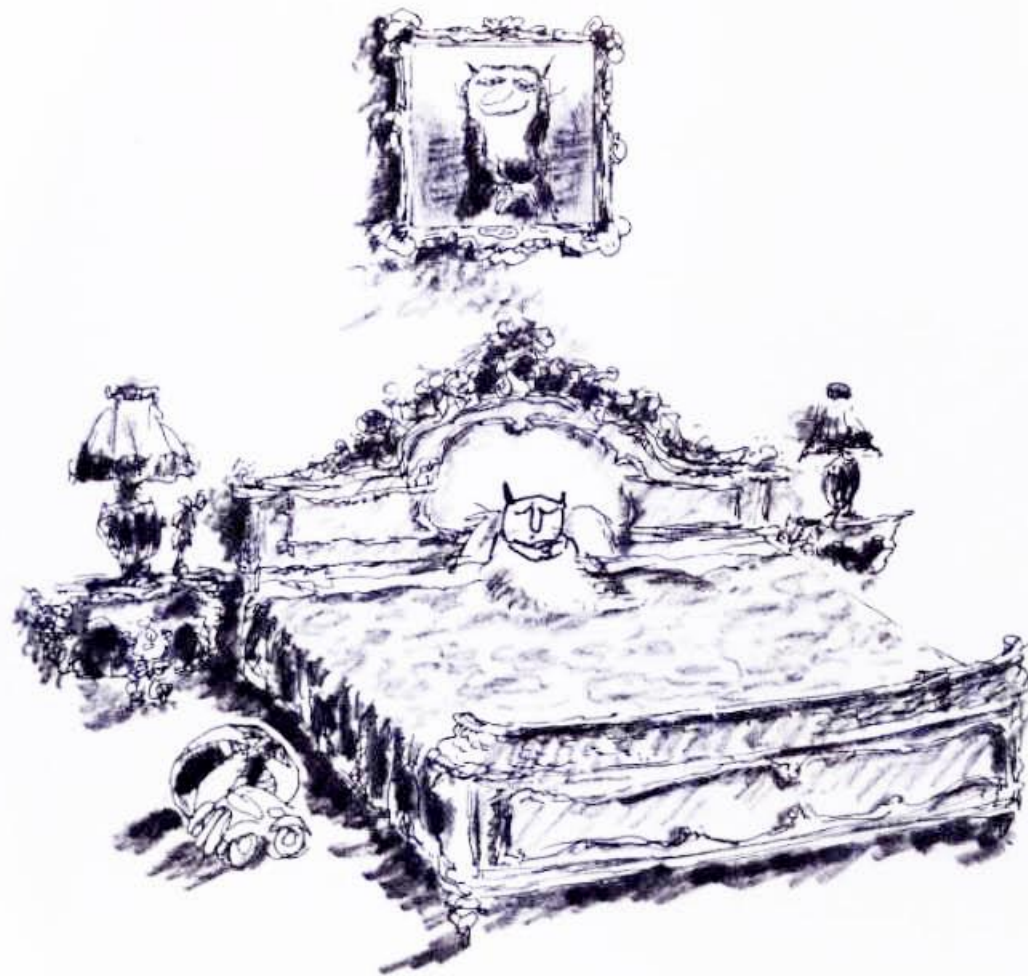
उसका अपना सोने का एक अलग कमरा.
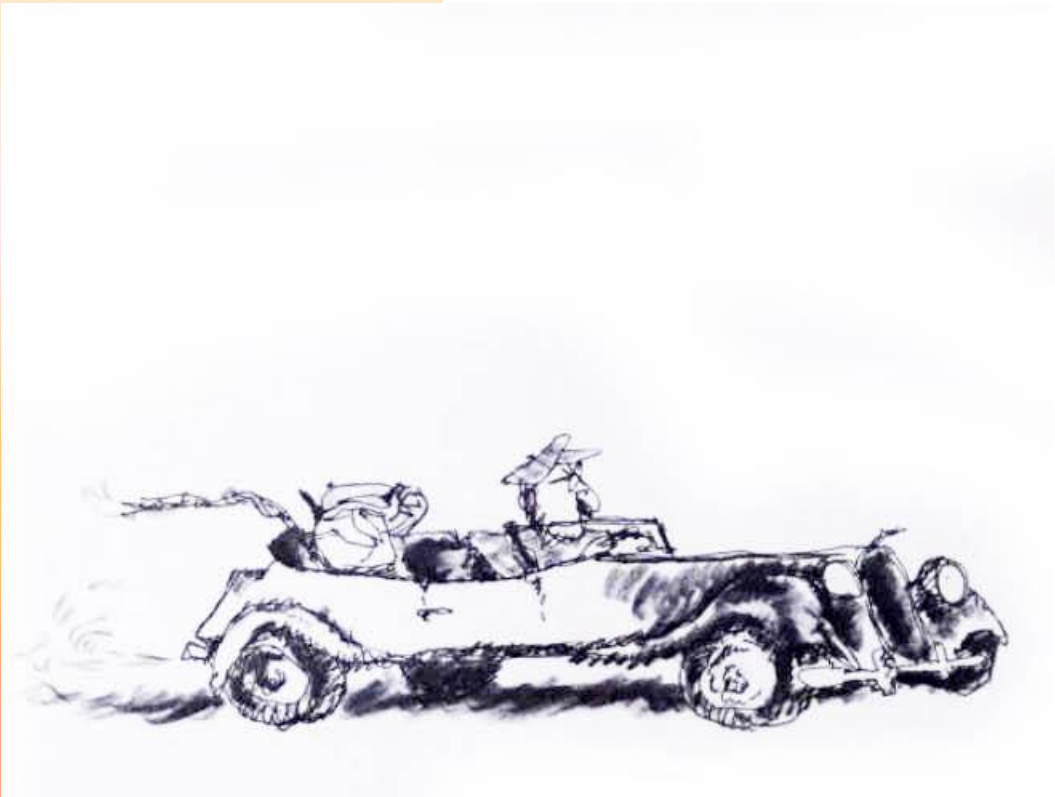
एक नारंगी टोपी, एक बड़ी कार और हर्बर्ट नाम का ड्राइवर.

और सर्कस में एक अलग शाही सीट.

उस सबसे फ्लॉयड को
दुनिया की सबसे खुश
बिल्ली होना चाहिए था.

लेकिन वैसा नहीं था.

मिस्टर और मिसेज ब्लुट ने उसे
खुश करने की पूरी कोशिश की.

उन्होंने अन्य बिल्लियों को फ्लॉयड के साथ खेलने के लिए आमंत्रित किया.

उन्होंने फ्लॉयड को गर्म हवा के गुब्बारे में सैर कराई.

उन्होंने फ्लॉयड को दुनिया भर की यात्रा कराई.

लेकिन फिर भी

फ्लॉयड खुश नहीं थी.

फिर एक शुक्रवार को मिस्टर ब्लूट की कमीज़ें, लांड्री से एक चमकीले नीले बक्से में, सफेद डोरी से बंधी हुई वापस आईं.

फ्लॉयड बक्से से अपनी नजरें हटा नहीं पाई.

नौकरानी नोरा द्वारा शर्टें बाहर निकालने के बाद

फ्लॉयड को अपना मौका मिला.

वो एकदम बढ़िया बक्सा था!
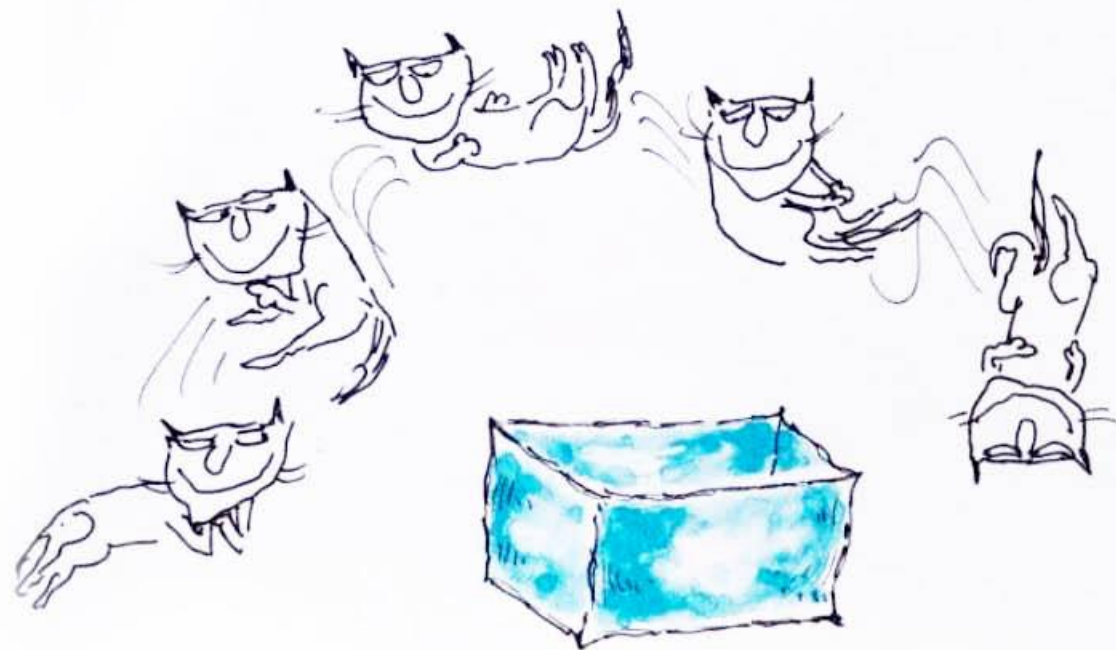
वो उस बक्से के नीचे छुप सकती थी...

और बक्से पर झपट्टा मार सकती थी!
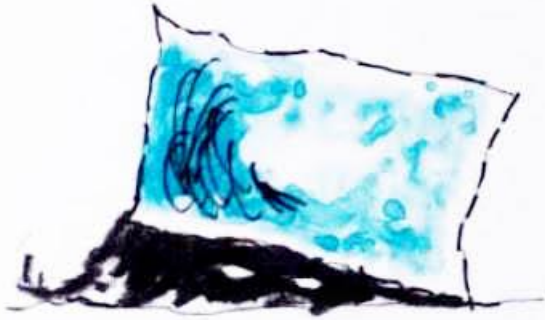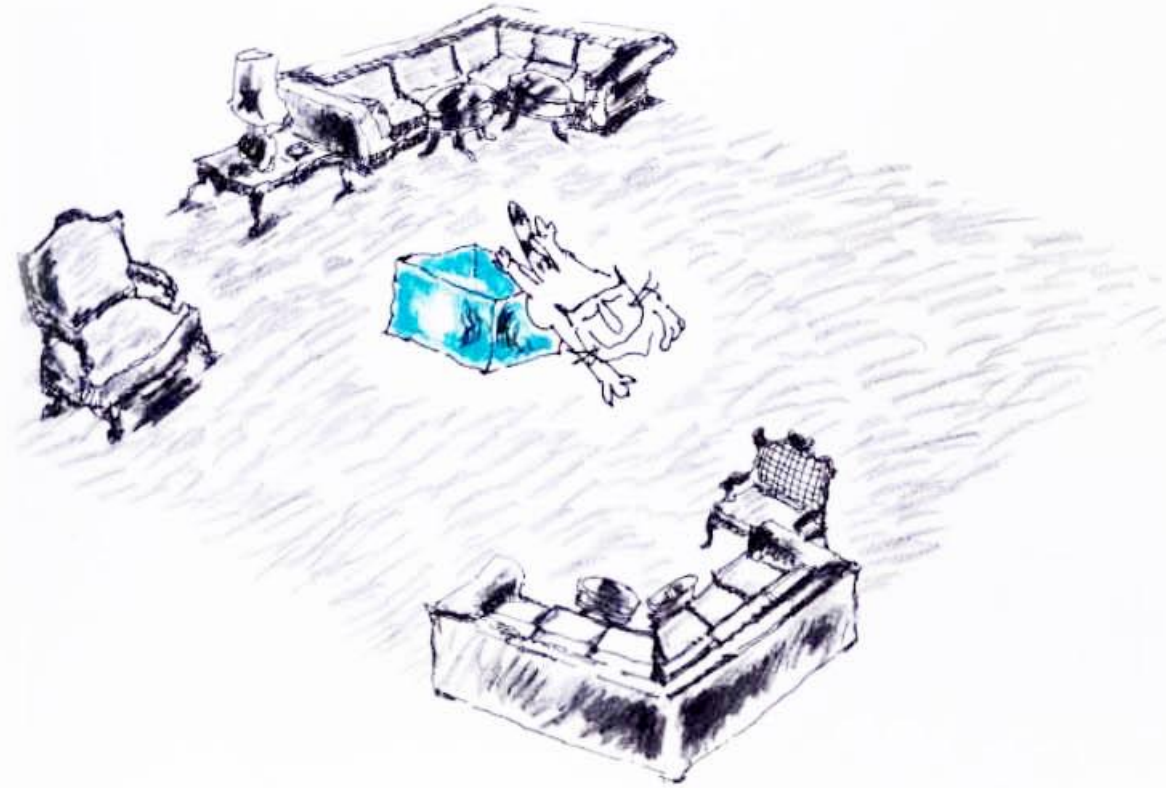
वो उसे धकेल सकती थी.

वो चुपके से आ सकती थी ...
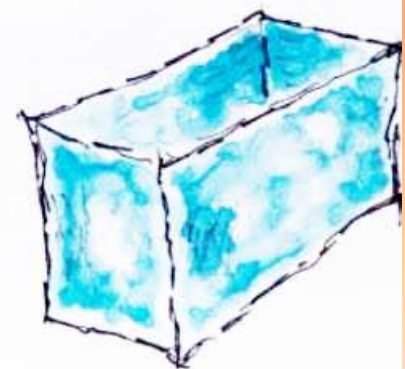
और उसके पीछे जा सकती थी..

और फिर आक्रमण कर सकती थी!
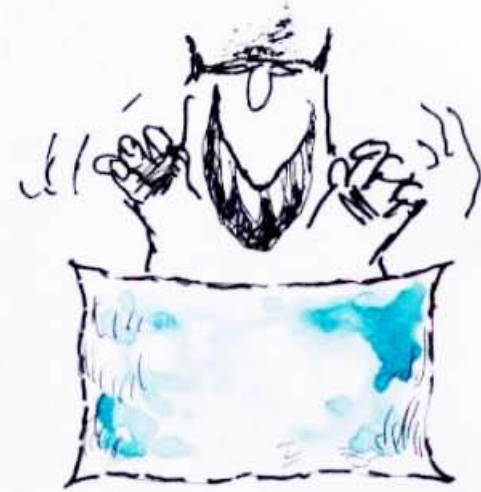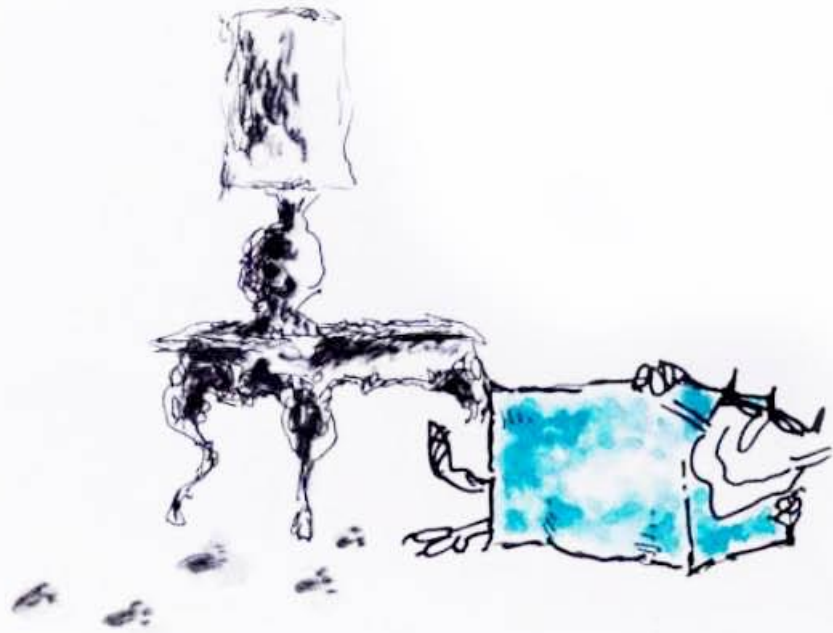
लेकिन सबसे अच्छी बात यह थी कि वो
उसके अंदर सिमटकर लेट सकती थी.

"यहाँ क्या चल रहा है?" मिस्टर ने, मिसेज़ ब्लुट से कहा.
"अब हमारी फ्लोयड ...

काफी खुश दिख रही है!"

और वो वाकई में थी.

अंत